न्यूज डायरी

अफगानिस्तान में मारा गया आईएस के का पूर्व सरगना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तहरीक–ए–तालिबान के प्रवक्ता की हत्या के कुछ दिन बाद ही अब इस्लामिक स्टेट खुरासान के पूर्व सरगना असलम फारूकी की देश के उत्तरी इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। फारूकी मार्च 2020 में काबुल में गुरुद्वारे पर हमले का मास्टरमाइंड था। यही नहीं वह भारत को भी खुरासान में शामिल करने का सपना देखता था। असलम फारूकी के मौत की पुष्टि स्थानीय लोगों और आतंकी के परिवार के सदस्यों ने भी की है। बताया जा रहा है गोलीबारी की यह घटना उत्तरी अफगानिस्तान में हुई है। यह आतंकी पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित ओराकजई इलाके का रहने वाला था। उसका शव मंगलवार को उसके गृह नगर पहुंच जाएगा। फारूकी की जगह पर अबू उमर खुरासानी जुलाई 2019 से आईएस के का सरगना बन गया है। आईएस के आतंकी संगठन को इन दिनों तालिबान के साथ अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में जंग लड़ना पड़ रहा है।

चीनी यात्री ने एक बोतल जापानी शराब के लिए उड़ा दिए 4 करोड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्तांबुल। चीन के एक यात्री ने तुर्की के इस्तांबुल एयरपोर्ट पर एक बोतल शराब के लिए 4 करोड़ रुपये खर्च कर डाले। यह कोई आम शराब नहीं बल्कि जापान की दुर्लभ विस्की थी। इस विस्की को एयरपोर्ट पर ड्यूटी फ्री शॉप पर कम दाम में बेचा जा रहा था। इस जापानी विस्की के लिए 4.14 करोड़ रुपये दाम रखा गया था। बताया जा रहा है कि यह विस्की 55 साल पुरानी यामाजाकी थी जिसे बहुत ही कम संख्या में बनाया गया था। एयरपोर्ट वर्ल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक विस्की की इस बॉटल को यूनीफ्री की एक ड्यूटी फ्री दुकान पर दिसंबर 2021 से रखा गया था। आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक हाउस ऑफ सुनटोरी के इतिहास में यामाजाकी 55 सबसे पुरानी सिंगल माल्ट विस्की थी। बताया जा रहा है कि इसके बहुत कम होने की वजह से ग्राहकों को यामाजाकी 55 विस्की खरीदने के लिए बोली लगाने को बुलाया गया था।

तालिबान से डरकर पाकिस्तान ने डूरंड लाइन पर रोका फेंसिंग का काम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगती अपनी सीमा जिसको डूरंड लाइन के नाम से जाना जाता है पर फेंसिंग लगाने का काम फिलहाल रोक दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तान की सरकार ने तालिबान सरकार के सामने घुटने टेक दिए हैं। आपको बता दें कि तालिबान ने पिछले दिनों कई बार इस लाइन पर पाकिस्तान सेना के जवानों को न सिर्फ फेंसिंग करने से रोक दिया था बल्कि उनका सामान भी जब्त कर लिया था। तालिबान ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान को इस तरह की फेंसिंग करने का कोई अधिकार नहीं है। तालिबान का यहां तक कहना है कि ये नियमों के खिलाफ है। आपको बता दें कि अफगानिस्तान पर कब्जे से करीब दो दशक पहले तक तालिबान यहां से आपरेट करता रहा था।

अंतरिक्ष में रहने के दौरान ज्यादा तेजी से नष्ट होती हैं लाल रक्त कोशिकाएं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा (कनाडा)। इन दिनों अंतरिक्ष यात्र वैज्ञानिक शोधों के अलावा अमीरों के लिए रोमांचक पर्यटन का शौक भी बन रहा है। ऐसे में एक सचेत करने वाला अध्ययन सामने आया है। इस अध्ययन में पहली बार इस रहस्य को उजागर किया गया है कि अंतरिक्ष में होने के दौरान लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) की संख्या किस प्रकार से ज्यादा तेजी से कम होती है। इस स्थिति को स्पेस एनीमिया कहा जाता है। नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, 14 अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में किए गए विश्लेषण में पाया गया है कि धरती पर रहने के दौरान उनके शरीर के आरबीसी का जितना नुकसान होता, उसकी तुलना में अंतरिक्ष में होने पर 54 प्रतिशत ज्यादा आरबीसी नष्ट हुए। हमारा अध्ययन दर्शाता है कि अंतरिक्ष में जाने पर लाल रक्त कोशिकाएं ज्यादा नष्ट होती हैं और यह प्रक्रिया पूरे मिशन के दौरान चालू रहती है।

चीन ने पैंगोंग झील पर अवैध पुल बनाने के लिए झोंकी ताकत

खुलासा

सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि यह चीनी पुल 400 मीटर लंबा बन चुका है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीनी ड्रैगन ने भारत पर सामरिक बढ़त हासिल करने के लिए पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील पर बनाए जा रहे अवैध पुल का निर्माण कार्य काफी तेज कर दिया है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि यह चीनी पुल अब 400 मीटर लंबा बन चुका है। यह पुल करीब 8 मीटर चौड़ा है और चीनी सैन्य ठिकाने के दक्षिण में स्थित है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन जब यह पुल बना लेगा तब इस इलाके में उसे काफी सामरिक बढ़त हासिल हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक गत 16 जनवरी की सैटलाइट तस्वीर में इशारा मिलता है कि चीनी निर्माण कर्मचारी भारी क्रेन का इस्तेमाल पिलर को जोड़ने के लिए कर रहे हैं। जिस गति से यह पुल बन रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले कुछ महीने में इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि अभी रुटोग तक सड़क बनाने में अभी लंबा समय लगेगा। इससे पहले खुलासा हुआ था कि चीन पैंगोंग झील पर पुल का निर्माण कर रहा है। इससे चीनी सेना पैंगोंग झील के दूसरी तरफ बहुत तेजी से अपने सैनिकों को भेज सकेगी।

भारी मशीनों को पुल का निर्माण करने के लिए लगाया गयाः इससे पुल के बनने से अब चीनी सैनिकों को रुटोग अड्डे तक पहुंचने के लिए 200 किमी तक पैंगोंग झील का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। द इंटेल लैब में शोधकर्ता दमिएन सयमोन ने कहा, भारी मशीनों (क्रेन) को पुल का निर्माण करने के लिए लगाया गया है। भीषण बर्फबारी और खराब मौसम के बाद भी इस पुल का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा पुल तक जाने के लिए एक नया रास्ता उत्तरी किनारे पर खुर्नाक फोर्ट के पास दिखाई दिया है जो एक चीनी सड़क से जोड़ेगा।

चीन जिस इलाके में यह पुल बना रहा है, उस पर साल 1958 से ड्रैगन का कब्जा है। भारत का मानना है कि यह उसके वास्तविक नियंत्रण रेखा के अंदर आता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन जिस जगह पर यह पुल बना रहा है, वह साल 1960 से उसके अवैध कब्जे में है। जैसाकि आप भलीभांति जानते हैं कि भारत ने इस अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने पिछले दिनों पैंगोंग सो पुल का प्रत्यक्ष उल्लेख किए बगैर पत्रकारों से कहा कि 'आपने जो बात कही, मुझे उसकी जानकारी नहीं है।'

दोनों देशों की सेनाओं ने काफी संख्या में सैनिकों की तैनाती कीः वांग ने कहा, 'मैं यह बताना चाहता हूं कि चीन की ओर से अपनी सीमा में किया जा रहा बुनियादी ढांचे का निर्माण पूरी तरह से उसकी सम्प्रभुता में आता है और उसका लक्ष्य चीन की क्षेत्रीय सम्प्रभुता की रक्षा करना और चीन–भारत सीमा पर शांति तथा स्थिरता बनाए रखना है।' पैंगोंग झील वाले इलाके में हिंसक टकराव के बाद दोनों देशों की सेनाओं ने काफी संख्या में सैनिकों और भारी हथियारों की तैनाती कर दी।

इमरान खान के लिए मुसीबत बने अपनी ही पार्टी के नेता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए विपक्ष के साथ–साथ अब अपनी ही पार्टी के नेता मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। इसके लिए इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) ने नेशनल असेंबली के सदस्य नूर आलम खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नूर ने इमरान खान सरकार की तीखी आलोचना की की थी, जिसके बाद उन्हें ये नोटिस जारी किया गया है। उनसे पूछा गया है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया।

बता दें कि नूर आलम खान ने नेशनल असेंबली मं हुई संसदीय बैठक के दौरान पाकिस्तान की पीटीआई सरकार और उसकी नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। इस बैठक में उन्होंने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की थी और देश में व्याप्त बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा जोर–शोर से उठाया था। इसी वजह से उन्हें नोटिस जारी किया गया है। बाद में नूर आलम ने कहा कि उन्होंने जनता से जुड़े मुद्दे उठाए। अब यदि सरकार और उनकी पार्टी इसको उल्लंघन मानती है तो यही सही। लेकिन, वो इससे पीछे नहीं हटने वाले हैं और ये मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि उन्हें पीटीआई ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े विमान ने कैलिफोर्निया में की लैंडिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दुनिया का सबसे बड़ा विमान त्वब एक बार फिर से आकाश में उड़ान भरने लगा है। रविवार को इस विमान ने करीब 8 महीने के बाद पहली बार अपनी टेस्ट उड़ान भरी है। इस विमान ने 4 घंटे और 23 मिनट तक हवा में रहकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इस दौरान वह ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाके से भी गुजरा। इस विमान को बनाने वाली कंपनी स्ट्रेटोलॉन्च ने कहा कि यह विमान 23500 फुट की ऊंचाई तक गया। कंपनी ने कहा कि यह विमान की सबसे अच्छी उड़ान थी। इससे पहले की उड़ान में विमान करीब 17 हजार फुट की ऊंचाई तक गया था। इस विमान को 35 हजार फुट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया है।

सऊदी ने भारतीयों की मौत का लिया करारा बदला, टॉप हूती कमांडर हवाई हमले में ढेर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के नेतृत्व्व वाली अरब गठबंधन सेना ने भारतीयों की हत्या करने वाले हूती विद्रोहियों के शीर्ष कमांडर को बीती रात भीषण हवाई हमले में मार गिराया है। अरब सेना के फाइटर जेट ने यमन की राजधानी साना के उत्तरी इलाके में हवाई हमला किया। बताया जा रहा है कि इस हमले में हूती कमांडर मेजर जनरल अब्दुल्लाह कासिम अल जुनैद की मौत हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों ने सोमवार को यूएई की राजधानी अबूधाबी पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया था। इसमें 2 भारतीयों और 1 पाकिस्थानी नागरिक की मौत हो गई थी। हमले में 6 लोग घायल हो गए थे। अरब गठबंधन सेना के प्रवक्ष्ता ने इस हवाई हमले की पुष्टि की है। इस बीच यूएई में भारतीय दूतावास ने कहा है कि मारे गए लोगों की पहचान हो गई है और उनके शव को भारत भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगाः यूएई के विदेश मंत्री ने इस घटना को आतंकी घटना करार दिया और कहा था कि दोषध्यिों को बख्श्शा नहीं जाएगा। इससे पहले हूती विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात के एक मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। यूएई की राजधानी अबू धाबी के मुख्य एयरपोर्ट पर सोमवार को आग लग गई और तीन ईंधन टैकरों में विस्फोट हो गया। इसमें दो भारतीय नागरिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अबू धाबी पुलिस ने इसके लिए ड्रोन हमले को जिम्मेदार ठहराया था। यमन के हूती विद्रोहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

हूती के सैन्य प्रवक्ता याहिया सरेई ने कहा कि उनके समूह ने यूएई में अंदर तक हमला किया है। दरअसल, यमन के बड़े हिस्से पर हूती विद्रोहियों ने कब्जा किया हुआ है।

ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ सबसे कारगर स्पुतनिक वी वैक्सीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस ने दावा किया है कि कोरोना के वैरिएंट ओमिक्रोन के खिलाफ उसके वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई स्पुतनिक वी कोविड वैक्सीन 75 प्रतिशत प्रभावी है। यह दावा रूस के गामालेया रिसर्च सेंटर के प्रमुख अलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग ने मंगलवार को किया है। गिंट्सबर्ग ने रोसिया सेगोडन्या प्रेस सेंटर में कहा कि जनसंख्या में ओमिक्रोन के संबंध में स्पुतनिक वी वैक्सीन की प्रभावशीलता 75 प्रतिशत है। गामालेया प्रमुख ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को छह महीने में स्पुतनिक लाइट बूस्टर डोज दी जाती है तो ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ व्यक्ति की सुरक्षा 100 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, लेकिन वैकसीन न लेने पर यह सुरक्षा घटकर 56–57 प्रतिशत हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ स्पुतनिक वी की प्रभावशीलता आठ गुना कम हो जाती है, लेकिन यह सुरक्षा के लिए अभी भी पर्याप्त है। गिंट्सबर्ग ने कहा कि ओमिक्रोन वैरिएंट तके खिलाफ अन्य वैक्सीन की प्रभावशीलता 21 गुना कम हो जाती है।